हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

-02-18.

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी एवं वादी अनुपस्थित। वकील वादी एवं वादी को न्यायालय समय में बार-बार आवाजें लगाई गई परन्तु बिना कोई उचित कारण के अनुपस्थित रहे। पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली में प्रतिवादी सं० 17 की मृत्यु की सूचना दिनांक 09-03-17 को आई है परन्तु बार-बार अवसर व हिदायत के बावजूद प्रतिवादी सं० 17 के कायम मुकामान को पक्षकार बनाने सम्बन्धी कोई कार्यवाही वकील वादी द्वारा नहीं की गई है। साथ ही बार-बार अवसर व हिदायत के बावजूद वकील वादी प्रतिवादी सं० 5, 16, 18 के सही पते के सम्मन तलबाना भी पेश नहीं कर रहे हैं। इस दौरान वकील वादी को अन्तिम अवसर दो बार दिया गया है तथा अन्तिम हिदायत, फिर एक अवसर एवं आखिर में दिनांक 16-01-18 को न्यायहित में भी एक अवसर और दिया गया था परन्तु आज भी उपस्थित नहीं हुए है जिससे यह जाहिर होता है कि दावा की कार्यवाही जारी रखने में उनकी कोई रुचि नहीं है। अतः दावा वादी अदम-हाजरी, अदम पैरवी एवं रुचि के अभाव में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।

[signature]